

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
प्रथम अध्याय : संगीत, नाद एवं धर्म	1-28
1.1 संगीत की व्याख्या	1-3
1.2 नाद का विस्तृत वर्णन	4-19
1.2.1 नाद का परिचय	4-6
1.2.2 संगीत के शास्त्रीय ग्रंथों में नाद निरूपण	6-8
1.2.3 नाद के भेद	8-11
1.2.4 नाद के गुणधर्म	11-12
1.2.5 नाद की उत्पत्ति	13-15
1.2.6 वेदों तथा उपनिषदों में नाद	16-19
1.3 धर्म की व्याख्या	19-22
1.3.1 विभिन्न धर्मों में अनाहत नाद का महत्व	22-25
द्वितीय अध्याय : संगीत : मोक्षप्राप्ति का सुगम मार्ग	29-59
2.1 संगीत में ओऽम्	29-32
2.2 योग और संगीत	32-40
2.3 विभिन्न धर्मों में संगीत का महत्व	40-42
2.3.1 हिन्दू धर्म में संगीत	42-44
2.3.2 इस्लाम धर्म में संगीत	44-46

2.3.3	सूफी धर्म में संगीत	46-47
2.3.4	सिख धर्म में संगीत	47-49
2.3.5	ईसाई धर्म में संगीत	49-50
2.3.6	बौद्ध धर्म में संगीत	50-51
2.3.7	जैन धर्म में संगीत	51-53
2.4	विभिन्न भक्तों एवं संतों द्वारा संगीत का प्रयोग	53-55
तृतीय अध्याय : सूक्ष्म ध्वनियों का मनुष्य चित्त पर प्रभाव		62-72
3.1	मंत्र चिकित्सा: मंत्र का विज्ञान	62-68
3.2	वास्तुकला और ध्वनिविज्ञान में अंतर्संबंध	68-70
चतुर्थ अध्याय : संगीत का मनोवैज्ञानिक आयाम		73-103
4.1	संगीत का चित्त पर प्रभाव	73-74
4.2	संगीत एवं मनोविज्ञान का पारस्परिक संबंध	75-79
4.3	संगीत चिकित्सा : परिचय एवं इतिहास	79-83
4.4	आधुनिक युग में संगीत चिकित्सा	83-92
4.5	पेड़-पौधों एवं जीव-जंतुओं पर संगीत का प्रभाव	92-95
4.6	संगीत एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियाँ	95-101
4.6.1	आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति एवं संगीत	95-97
4.6.2	योग एवं संगीत	97-98
4.6.3	गायन द्वारा रोगोपचार	98-99
4.6.4	संगीत एवं रेकी	99-101

पंचम अध्याय :	वर्तमान युग में आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टि से संगीत के प्रयोग एवं प्रभाव जानने हेतु साक्षात्कार :	104-121
5.1	डॉ. तृप्ति जैन (मनोचिकित्सक)	104-107
5.2	पं. हरिप्रसाद चौरसिया (कलाकार / बाँसुरीवादक)	108-111
5.3	डॉ. टी. वी. साईराम (संगीत चिकित्सक)	112-114
5.4	मा ओशो प्रिया (आध्यात्मिक गुरु, ओशोधारा संस्थान)	115-119
5.5	स्वामी नित्यानंद चरण दास (कीर्तनकार)	120-121
षष्ठम अध्याय :	वर्तमान युग में कला, आध्यात्म एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से संगीत का महत्व	122-141
	उपसंहार	142-146
	सन्दर्भ ग्रन्थ सूची	147-149
	परिशिष्ट	